विप्र कला-वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय

जी. ई. रोड, रायपुर (छ.ग.)

पंजीयन क्र. 17951

"विप्रारोह"

Monthly E-Bulletin December 2022

पंजीयन क्र. 17951

मासिक अंक दिसम्बर २०२२

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने विप्र महाविद्यालय के ई पत्रिका 'विप्रारोह का किया विमोचन'

ज्योतिष पीठ, बद्रिकाश्रम के परम पूज्य शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान राजधानी में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में विप्र महाविद्यालय के पत्रिका 'विप्रारोह' का विमोचन किया। यह जानकारी देते हुए प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने बताया कि इस अवसर पर शंकराचार्य महाराज ने भक्तों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि मानव शरीर मिलना दुर्लभ है और यह दुर्लभ शरीर हमें सुलभ हुआ है, तो इसका लाभ उठाकर सत्कर्म करते हुए परमात्मा प्राप्ति का प्रयास करना चाहिए। संसार में 84 लाख जीव है इसमें से आज तक वैज्ञानिकों ने 58 लाख जीवों की खोज कर ली है और आज भी उनकी खोज जारी है इनमें से हमें मानव शरीर मिला है तो यह सिर्फ सत्कर्म करके परमात्मा प्राप्ति के लिए है और इसमें ब्राह्मण शरीर का मिलना और सौभाग्य की बात है। ब्राह्मण शरीर तपस्या करके परमसुख परम परमात्मा प्राप्ति के लिए ही मिला है। अतः ब्राह्मणों को अपना उद्देश्य ध्यान में रखकर कर्म करना चाहिए। तपस्या के लिए भी तपस्या करना ब्राह्मण का उद्देश्य होना चाहिए। आशीर्वाद वचन के पूर्व शंकराचार्य महाराज ने विप्र महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका 'विप्रारोह' का विमोचन किया । विप्र महाविद्यालय को शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद देते हुए कहा कि सद्गुणों के विकास के साथ शिक्षा प्रदान करना महाविद्यालय का उद्देश्य हो, जिससे विद्यार्थी उच्च शिक्षित होकर सनातन धर्म का पालन करते हुए राष्ट्र के विकास के लिए जीना सीखें। विमोचन अवसर पर पूर्व कुलसचिव प्रो. गिरिशकान्त पांडेय, प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी, प्रो. उषा दुबे, सुभाष तिवारी, विजय तिवारी, आनंद पांडेय, भूपेंद्र शर्मा, संजय दीवान सहित भक्तगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सहायक शिक्षण सामग्री से विद्यार्थियों को सिखाना सरल, सहज और रुचिकर : ज्ञानेश शर्मा

विप्र कॉलेज में राज्य स्तरीय सहायक शिक्षण सामग्री प्रतियोगिता

रायपुर.20 दिसंबर. छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर में शिक्षा विभाग के B-Ed. प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा राज्य स्तरीय सहायक शिक्षण सामग्री प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने कहा कि सहायक शिक्षण सामग्री से विद्यार्थियों को सिखाना सहज, सरल और रुचिकर होता है। अतः शिक्षकों को नवीन सहायक शिक्षण सामग्री बनाने में उत्साह और रुचि दिखानी चाहिए। जिससे उनका शिक्षण कला रुचिकर और मनोरंजक हो। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने जानकारी दिया कि राज्य स्तरीय सहायक शिक्षण सामग्री प्रतियोगिता में भिलाई, महासमुंद सहित रायपुर के महाविद्यालय महात्मा गांधी, हरिशंकर, प्रगति और कलिंगा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ने नरवा, घुरवा, बाड़ी गोठान के बृहद अनुपयोगी क्षेत्र का मॉडल तैयार किया जिसमें गोबर से विद्युत उत्पादन का मॉडल प्रस्तुत किया। द्वितीय स्थान प्राप्त विद्यार्थी ने वाणिज्य में संपत्ति व दायित्व का विवरण का मॉडल प्रस्तुत किया। इसके साथ जल संरक्षण व संधारण का मॉडल, प्राकृतिक ऊर्जा स्त्रोत के उपयोग का मॉडल ने ध्यान आकृष्ट किया। प्रतियोगिता में जज कुसुम साहू

(प्राचार्य अकादमिक हाइट पब्लिक स्कूल रायपुर), सरिता ओझा (सहायक प्राध्यापक महात्मा गांधी कॉलेज रायपुर) एम. गायत्री (सहायक प्राध्यापक कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर) थे। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के समस्त प्राध्यापक डॉ. दिव्या शर्मा, रसिका मालवीय सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

विश्व एड्स दिवस पर विप्र कॉलेज में जागरूकता अभियान

1 दिसंबर. छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला, वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में विश्व एड्स दिवस पर विद्यार्थियों ने लाल रिबन बनाकर एवं विचार गोष्ठी के माध्यम से जागरुकता अभियान चलाया। उपरोक्त जानकारी देते हुए प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने बताया कि विश्व एड्स दिवस के अवसर पर गवर्नमेंट द्वारा जारी गाइडलाइन की जानकारी विद्यार्थियों को प्रदान की गई। हॉस्पिटल में इंजेक्शन लगाते समय, ब्लड डोनेट करते समय या एक्सीडेंट आदि के केस में ब्लड की आवश्यकता होने पर विशेष सावधानी की आवश्यकता है। इस प्रकार विचार गोष्ठी के माध्यम से विद्यार्थियों ने बचाव के उपाय पर चर्चा की एवं स्वयं जागरुक रहकर समाज के नागरिकों को जागरुक करने का संकल्प लिया।

विप्र कॉलेज एवं वीतराग रिसर्च फाउंडेशन के संयुक्त तत्वधान में रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

3 दिसंबर.छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला , वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय एवं वीतराग रिसर्च फाउंडेशन के संयुक्त तत्वधान में एंटी रैगिंग सेल द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता एवं बालिका समस्या निवारण प्रकोष्ठ द्वारा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रैगिंग एक अपराध विषय पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने रैगिंग की भयावह स्थिति का चित्रण किया एवं रैगिंग से बचाव के उपाय को भी चित्रित किया। चित्रकला प्रतियोगिता में दानवीर बी. एड. के छात्र ने प्रथम स्थान एवं बीएससी तृतीय वर्ष के छात्र नवीन ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। महिला सम्मान एवं सुरक्षा विषय पर आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में छात्राओं के साथ छात्रों ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया इसमें नारी का करो सम्मान तभी देश बनेगा महान, पढ़ेगी बेटी बढ़ेगी बेटी और नारी शिक्षित परिवार शिक्षित जैसे विषयों को रंगोली के माध्यम से प्रदर्शित किया। रंगोली प्रतियोगिता में B-Ed. प्रथम सेमेस्टर के झरना ने प्रथम स्थान, हिमाद्रि बीएड ने दूसरा स्थान एवं रीमा बीएड. की छात्रा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। उपरोक्त जानकारी देते हुए प्राचार्य डॉ. मेघेश तिवारी ने बताया कि महाविद्यालय वार्षिक कैलेंडर के अनुसार आयोजित उपरोक्त प्रतियोगिताओं में विजेता एवं उप विजेता प्रतिभागियों को वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। चित्रकला प्रतियोगिता के निर्णायक प्रणिता शर्मा एवं श्रीमती सुमन पांडे थी। रंगोली प्रतियोगिता के निर्णायक रंजना मिश्रा एवं रश्मि मिश्रा थी। बालिका समस्या निवारण कोष्ठ के संयोजक श्रीमती रसिका मालवीय एवं एंटी रैगिंग सेल के संयोजक श्रीमती सारिका त्रिवेदी ने प्रतियोगिता का आयोजन किया।

विप्र कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों का आमातालाब मे स्वच्छता अभियान

राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों ने प्राध्यापक नीतीश शर्मा एवं उजाला वर्मा के निर्देशन में आमा तालाब एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत नागरिकों को स्वछता के लाभ बतायें। इसके साथ ही वहां के निवासियों को तालाब की सफाई के लिए जागरुक करते हुए बताया कि स्वच्छ और हरियाली युक्त तालाब और आसपास का वातावरण आप सभी के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, इसके साथ तालाब को गंदा ना करने का शपथ दिलाते हुए नियमित तालाब की सफाई में भागीदारी के लिए प्रेरित किए। आसपास के बच्चों को मनोरंजक खेल खिलाने और चॉकलेट आदि वितरण के बाद उन्हें समझाया गया कि मोहल्ले में अपने माता पिता को घर के साथ आसपास के सफाई के लिए प्रोत्साहित करें, जिससे हमें खेलने कूदने के लिए स्वच्छ जगह मिल सके।

शिक्षा विभाग में पाठ्यक्रम की संरचना विषय पर व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 21 दिसंबर 2022 को प्राथमिक माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर पाठ्यक्रम की संरचना पर बीएड. प्रथम सेमेस्टर के छात्रों को कुसुम साहू, प्राचार्या ऐकडेमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल ने व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति पाठ्यक्रम के द्वारा ही होती है पाठ्यक्रम और पाठ्योत्तर गतिविधियों के माध्यम से ही बालको का सर्वांगीण विकास होता है। प्राथमिक स्तर पर पाठ्यक्रम में बच्चे की सामाजिक बौद्धिक भावनात्मक और शारीरिक विकास की आवश्यकताओं को ध्यान रखा जाना चाहिए माध्यमिक स्तर पर विज्ञान इतिहास, भूगोल विषयों के साथ देश के संविधान और निहित मूल्यों का ज्ञान देने आवश्यक है, उच्चत्तर माध्यमिक स्तरपर विज्ञान व गणित के साथ तकनीकी विधियों का ज्ञान के साथ शिल्प शिक्षा भी आवश्यक है ताकि वह अपने कार्य क्षेत्र में सफल हो सके। उन्होंने छात्रों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर भी दिए।

एलुमनी एसोसिएशन द्वारा कैरियर काउंसलिंग पर व्याख्यान का आयोजन

20 दिसंबर को एलुमनी एसोसिएशन द्वारा कैरियर काउंसलिंग पर भूतपूर्व छात्र हर्ष शर्मा ने अपने व्याख्या में बताया कि कैसे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करना चाहिए। साथ ही प्लेसमेंट के लिए एक विद्यार्थी की कैसे तैयारी होनी चाहिए। इस विषय पर सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों के प्रश्नों का भी जवाब दिया। इस अवसर पर एलुमनी एसोसिएशन के सदस्यों ने बैठक में तय किया कि महाविद्यालय की उन्नति और प्रगति के लिए हर प्रकार का सहयोग भूतपूर्व छात्र संगठन करेगा। इसके लिए अन्य भूतपूर्व छात्रों को जोड़ने का अभियान चलाने का निर्णय लिया गया, जिससे संगठन को विस्तार देकर मजबूत बनाया जा सके और महाविद्यालय के विकास में सहयोग प्रदान किया जा सके। कार्यक्रम का आयोजन एलुमनी एसोसिएशन के प्रभारी रीना शुक्ला द्वारा किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महाविद्यालय के भूतपूर्व विद्यार्थी उपस्थित थे।

यादों का आईना

छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन शिक्षण समिति द्वारा संचालित विप्र महाविद्यालय डूमर तालाब, रायपुर में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का लोकार्पण पूज्य पाद अनन्त श्री विभूषित ज्योतिषीठाधीश्वर एवं द्वारका शारदापीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री स्वरुपानंद सरस्वतीजी महाराज के करकमलों द्वारा फाल्गुन कृष्ण पक्ष दशमी दिन शनिवार, विक्रम सवंत 2074, साके 1939 एतंद सन् 2018 फरवरी 10, अपरान्ह 4.00 बजे संपन्न हुआ था।

महाविद्यालय की गतिविधियाँ बनी दैनिक अखबारों की सुर्खियाँ

राज्य स्तरीय सहायक शिक्षण सामग्री स्पर्धा में जान्हवी प्रथम

रायपुर,21 दिसंबर। छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला ,वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर में शिक्षा विभाग एवं ड्ड.द्रस्र प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा राज्य स्तरीय सहायक शिक्षण सामग्री प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए,छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने कहा कि सहायक शिक्षण सामग्री से विद्यार्थियों को सिखाना सहज ,सरल और रुचिकर होता है ।अतः शिक्षकों को नवीन सहायक शिक्षण सामग्री बनाने में उत्साह और रुचि दिखानी चाहिए। जिससे उनका शिक्षण कला रुचिकर और मनोरंजक हो। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ .मेघेश तिवारी ने जानकारी दिया कि राज्य स्तरीय सहायक शिक्षण सामग्री प्रतियोगिता में भिलाई ,महासमुंद सहित रायपुर के महात्मा गांधी, हरिशंकर, प्रगति महाविद्यालय और कलिंगा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले जान्हवी वर्मा आदर्श कॉलेज दतरेंगा ने नरवा ,घुरवा, बाड़ी गोठान के बृहद अनुपयोगी क्षेत्र का मॉडल तैयार किया जिसमें गोबर से विद्युत उत्पादन का मॉडल प्रस्तुत किया। द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विनीता सिंग विप्र कॉलेज ने वाणिज्य में संपत्ति व दायित्व का विवरण का मॉडल प्रस्तुत किया। तीसरा स्थान प्रिया धृतलहरे जी डी रुंगटा कॉलेज ने प्राप्त किया।इसके साथ जल संरक्षण व संधारण का मॉडल, प्राकृतिक ऊर्जा स्रोत के उपयोग का मॉडल ने ध्यान आकृष्ट किया। प्रतियोगिता में जज कुसुम साहू(प्राचार्य अकादमिक हाइट पब्लिक स्कूल रायपुर),सरिता ओझा (सहायक प्राध्यापक महात्मा गांधी कॉलेज रायपुर) एम. गायत्री (सहायक प्राध्यापक कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर)थे । इस अवसर पर शिक्षा विभाग के समस्त प्राध्यापक डॉक्टर दिव्या शर्मा ,रसिका मालवीय सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

विप्र कॉलेज एवं वीतराग रिसर्च फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में रंगोली एवं चित्रकला प्रतियोगिता संपन्न

रायपुर 4 दिसंबर। छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला , वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय एवं वितराग रिसर्च फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में एंटी रैगिंग सेल द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता एवं बालिका समस्या निवारण प्रकोष्ठ द्वारा रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रैगिंग एक अपराध विषय पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने रैगिंग की भयावह स्थिति का चित्रण किया एवं रैगिंग से बचाव के उपाय को भी चित्रित किया। चित्रकला प्रतियोगिता में दानवीर बी. एड. के छात्र ने प्रथम स्थान एवं बीएससी तृतीय वर्ष के छात्र नवीन ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। महिला सम्मान एवं सुरक्षा विषय पर आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में छात्राओं के साथ छात्रों ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया इसमें इसमें नारी का करो सम्मान तभी देश बनेगा महान, पढ़गी बेटी बढ़ेगी बेटीऔर नारी शिक्षित परिवार शिक्षित जैसे विषयों को रंगोली के माध्यम से प्रदर्शित किया।

विप्र कॉलेज में राज्य स्तरीय सहायक शिक्षण सामग्री स्पर्धा

अमन पथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन संचालित विप्र कला ,वाणिज्य एवं शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर में शिक्षा विभाग एवं .ो प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा राज्य स्तरीय सहायक शिक्षण सामग्री प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए,छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने कहा कि सहायक शिक्षण सामग्री से विद्यार्थियों को सिखाना सहज ,सरल और रुचिकर होता है ।अतः शिक्षकों को नवीन सहायक शिक्षण सामग्री बनाने में उत्साह और रुचि दिखानी चाहिए। जिससे उनका शिक्षण कला रुचिकर और मनोरंजक हो।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ .मेघेश तिवारी ने जानकारी दिया कि राज्य स्तरीय सहायक शिक्षण सामग्री प्रतियोगिता में भिलाई ,महासमुंद सहित रायपुर के महात्मा गांधी, हरिशंकर, प्रगति महाविद्यालय और कलिंगा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले जान्हवी वर्मा आदर्श कॉलेज दतरेंगा ने नरवा ,घुरवा, बाड़ी गोठान के बृहद अनुपयोगी क्षेत्र का मॉडल तैयार किया जिसमें गोबर से विद्युत उत्पादन का मॉडल प्रस्तुत किया। द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विनीता सिंग विप्र कॉलेज ने वाणिज्य में संपत्ति व दायित्व का विवरण का मॉडल प्रस्तुत किया। तीसरा स्थान प्रिया धृतलहरे जी डी रुंगटा कॉलेज ने प्राप्त किया।इसके साथ जल संरक्षण व संधारण का मॉडल, प्राकृतिक ऊर्जा स्रोत के उपयोग का मॉडल ने ध्यान आकृष्ट किया।

प्रतियोगिता में जज कुसुम साहू(प्राचार्य अकादमिक हाइट पब्लिक स्कूल रायपुर),सरिता ओझा (सहायक प्राध्यापक महात्मा गांधी कॉलेज रायपुर) एम. गायत्री (सहायक प्राध्यापक कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर)थे । इस अवसर पर शिक्षा विभाग के समस्त प्राध्यापक डॉक्टर दिव्या शर्मा ,रसिका मालवीय सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

विप्र महाविद्यालय के ई पत्रिका 'विप्रारोह' का विमोचन

रायपुर। ज्योतिष पीठ, बद्रिकाश्रम के परम पूज्य शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने छत्तीसगढ़ प्रवास दौरान के राजधानी में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में विप्र महाविद्यालय के ई पत्रिका 'विप्रारोह' का विमोचन किया। यह जानकारी देते हुए प्राचार्य डॉ मेघेश तिवारी ने बताया कि इस अवसर पर शंकराचार्य महाराज ने भक्तों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि मानव शरीर मिलना दुर्लभ है ।और यह दुर्लभ शरीर हमें सुलभ हुआ है, तो इसका लाभ उठाकर सत्कर्म करते हुए परमात्मा प्राप्ति का प्रयास करना चाहिए । संसार में 84 लाख जीव है इसमें से आज तक वैज्ञानिकों ने 58 लाख जीवों की खोज कर ली है और आज भी उनकी खोज जारी है इनमें से हमें मानव शरीर मिला है तो यह सिर्फ सत्कर्म करके परमात्मा प्राप्ति के लिए है और इसमें ब्राह्मण शरीर का मिलना और सौभाग्य की बात है। ब्राह्मण शरीर तपस्या करके परमसुख परम परमात्मा प्राप्ति के लिए ही मिला है।

'B' GRADE ACCREDITED BY NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDIATION COUNCIL (NAAC) (10TH DEC' 2014 TO 09TH DEC' 2019)
Recognised by Higher Education, UGC and NCTE and Permanently Afiliated to Pt. Ravishankar Shukla, Raipur (C.G.)
✿ COMMERCE ✿ MANAGEMENT ✿ SCIENCE ✿ COMPUTER ✿ EDUCATION ✿ PHYSICAL EDUCATION ✿ YOGA
E-mail : vipracollge1996@gmail.com, Visit us : www.vipracollege.org
संपादक मण्डल :- डॉ. विवेक कुमार शर्मा, श्रीमती प्रणिता शर्मा, डॉ. कंचन मिश्रा, श्रीमती अपूर्वा शर्मा
विशेष सहयोग : एलुमनी एसोसिएशन, विप्र महाविद्यालय रायपुर